Patrika (Indore), 28th October 2023, Front Page – Plus 02

#IIM&IIT : विद्यार्थियों और स्टार्टअप समुदाय की 5-जी तकनीक की क्षमता बढ़ेगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को की घोषणा

इंदौर आइआइटी में होगी 5-जी लैब, बढ़ेगी डेटा की सेवा गुणवत्ता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. देशभर में बनने वाली सौ 5जी लैब के लिए आइआइटी इंदौर का भी चयन हुआ है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इंडिया मोबाइल कांग्रेस के सातवें संस्करण के उद्घाटन के दौरान की। इस लैब का लाभ विद्यार्थियों और स्टार्टअप समुदायों को मिलेगा, जिनमें 5जी तकनीक की क्षमता बढ़ेगी।

5जी लैब भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा स्थापित होना है। इसकी लागत पर आने वाले आर्थिक हिस्से का 80 फीसदी सरकार देगी, जबकि 20 प्रतिशत खर्च आइआइटी इंदौर को वहन करना होगा। इसके माध्यम से सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में 5जी एप्लीकेशन के विकास और प्रयोग की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही डेटा दरों और विश्वसनीयता के संदर्भ में सेवा गुणवत्ता मिलेगी।

50 विद्यार्थियों का प्रशिक्षण जरूरी

लैब इंस्टालेशन में पूंजीगत व्यय का 80 प्रतिशत सरकार से हासिल करने के लिए संस्थान को 5जी लैब में कम से कम 50 छात्रों और 10 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करना होगा।

आइआइटी इंदौर एडवांस्ड क्वांटम पर ध्यान केंद्रित करेगा। वैश्विक स्तर पर रिसर्च इनोवेशन को प्रदर्शित करेगा। 5जी लैब उपकरण में प्रबंधन डैश बोर्ड के साथ लैब की जरूरतों को पूरा करने के लिए 5जी एसए इंफ्रास्ट्रक्चर, 5जी सिम, आइओटी गेटवे, राउटर, सर्वर शामिल होंगे।

यह जिमेदारी सौंपी जाना संस्थान के लिए गर्व का क्षण है। 5जी तकनीक का उद्देश्य मशीन, वस्तु और उपकरण सहित सभी चीजों को वर्चुअल रूप से कनेक्ट करना है।

प्रो. सुहास जोशी, निदेशक
आइआइटी इंदौर